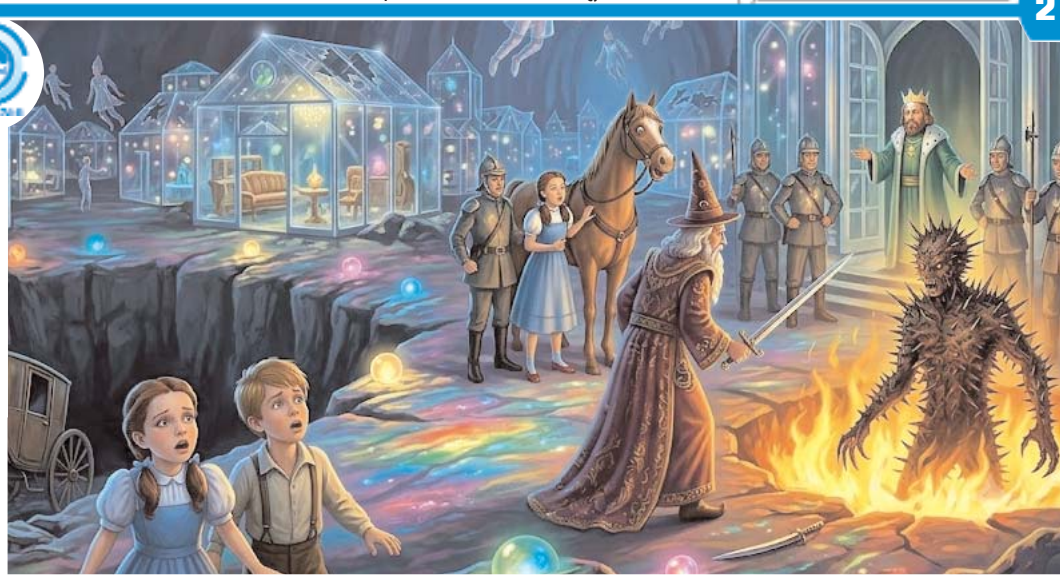


चुनमुन



कविता...

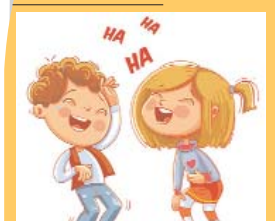
अगर



अगर नहीं यह सूरज होता
तो होता अध्याय
अगर न आता चांद, न लगता
आसमान यह प्यारा
अगर नहीं ये तारे होते
चमकीले-चमकीले
आसमान में कहां चमकते
झिलमिल नीले-पीले
और अगर ये रंग-बिरंगे
फूल न खिलते होते
तो क्या होता, हम फूलों की
यह सुंदरता खोते
बेलें होतीं नहीं, न होते
पेड़ झुमने वाले
पर्वत होते नहीं कहीं
आकाश चूमने वाले
नदियां, ताल और झरना भी
नहीं एक भी होता
निर्मल पानी का पत्थर से
कहीं न बहता सोता
अगर नहीं होते इतने पशु
पक्षी कहीं न गाते
तो हम कैसे इस दुनिया में
अपना मन बहलाते
इस दुनिया में सब-कुछ ही है
लगती इससे प्यारी
कौन देख पाता वरना ये
सुंदर दुनिया सारी।

■ श्रीप्रसाद

चुटकुले...



टीचर : बताओ, सबसे ज्यादा
नशा किसमें होता है?
छात्र : सर, किताबों में!
टीचर : वो कैसे?
छात्र : खोलते ही नौद आने
लगती है!



पप्पू : यार, रोल नंबर के आगे
क्या लिखना था?
गब्बू : अपना नाम और पिता
का नाम!
पप्पू : अरे यार, मैंने तो 'रोल
नंबर' के आगे 'मक्खन' लिख
दिया, मुझे लगा 'बटर रोल' पूछ
रहे हैं!



संता (डॉक्टर से) : डॉक्टर
साहब, मुझे बिना काम किए ही
थकावट महसूस होती है!
डॉक्टर : ये तो आलस्य के
लक्षण हैं।
संता : तो दवा लिख दीजिए न,
खाने में मेहनत न लगे!

जानकारी...

यहां पैसे की जगह चलते हैं पत्थर

प्रशांत महासागर में स्थित यप द्वीप पर पारंपरिक रूप से बड़े पत्थरों का इस्तेमाल मुद्रा के तौर पर किया जाता रहा है। राई स्टोन्स के नाम से जाने जाने वाले यह बड़े गोल चूना पत्थर के डिस्क बीच में छेद वाले होते हैं और इनका वजन कई टन हो सकता है। हालांकि रोजमर्रा के लेनदेन के लिए अब आधुनिक मुद्रा का इस्तेमाल होता है, लेकिन द्वीप पर राई स्टोन्स की



सांस्कृतिक और पारंपरिक
भूमिका आज भी जरूरी है।

यह चूना पत्थर के बड़े
डिस्क होते हैं जिनका इस्तेमाल
ऐतिहासिक रूप से यप द्वीप पर

धन के प्रतीक और जरूरी लेन-देन को आसान बनाने के लिए किया जाता था। इनके बड़े आकार और वजन की वजह से इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना काफी मुश्किल था। इससे एक अनोखी मौद्रिक प्रणाली बनी जिसमें मालिकाना हक बदलने के लिए भौतिक रूप से उन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की जरूरत नहीं थी। आज द्वीप पर लगातार खरीदारी के लिए अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। हालांकि यह पत्थर अभी भी जरूरी सामाजिक और सांस्कृतिक लेन-देन से जुड़े हुए हैं। इनमें शादियां, जमीन के सौदे, विवाद का निपटारा और बड़े राजनीतिक समझौते शामिल हैं।

इन पत्थरों की प्रणाली में ओपन लेजर के विचार से एक दिलचस्प समानता है, क्योंकि पत्थर काफी भारी थे इस वजह से मालिकाना हक बदलने पर उन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना व्यावहारिक रूप से मुमकिन नहीं था। इसके बजाय जब कोई लेन-देन होता था तो पत्थर आमतौर पर वहीं रहता था जहां वह था। समुदाय सामूहिक जानकारी और मौखिक समझौते के जरिए मलिक आना हक में बदलाव को मान्यता देता था।

इस तरह हर कोई प्रभावी रूप से जानता था कि किसी व्यक्ति या फिर परिवार के पास किसी खास पत्र का मालिकाना हक है, बिना इसके की पत्थर को भौतिक रूप से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाए। यहां तक कि जिन मामलों के पत्थर खो गया था या फिर परिवहन के दौरान समुद्र में डूब गया वहां भी समुदाय की साझा समझ के जरिए से उसके मालिकाना हक और मूल्य को मान्यता दी जा सकती थी।

इन पत्थरों को बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला चूना पत्थर इस द्वीप पर प्राकृतिक रूप से मौजूद नहीं था। द्वीपवासियों को पलाऊ तक सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती थी जहां वे बड़े पत्थरों को तराशते थे और नाव से वापस लाते थे। इस यात्रा में काफी शारीरिक मेहनत और खतरा शामिल था। यही वजह है कि इस पत्थर का मूल्य सिर्फ उसके आकार से नहीं, बल्कि उसे प्राप्त करने के लिए जरूरी प्रयास और पारंपरिक रूप से उसके परिवहन के दौरान उठाए गए जोखिम और गई जान से भी जुड़ा था। इन पत्थरों को प्राप्त करने की प्रक्रिया की तुलना अक्सर आधुनिक काम के प्रमाण की अवधारणा से की गई है। इसका इस्तेमाल बिटकॉइन जैसी कुछ क्रिप्टोकरंसी द्वारा किया जाता है।



रोचक...

तुर्कमेनिस्तान



तुर्कमेनिस्तान अपने सख्त और असामान्य नियमों के लिए जाना जाता है। लेकिन देश के सबसे गंभीर प्रतिबंधों में से एक गाड़ी के रंग जैसी सामान्य चीज से जुड़ा हुआ है। काली गाड़ियों को राजधानी अश्गाबात में प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है। यहां अधिकारियों ने इसके बजाय सफेद और दूसरे हल्के रंग के वाहनों पर जोर दिया है। सफेद रंग पवित्रता और सौभाग्य लाता है। इसी के साथ काला रंग दुर्भाग्य से जुड़ा होता है। इस विश्वास ने अश्गाबात में सफेद और दूसरे चमकीले रंग के वाहनों के प्रति अधिकारियों की प्राथमिकता को प्रभावित किया। यही वजह है की राजधानी में काली गाड़ियों को रखना और उनका इस्तेमाल करना धीरे-धीरे मुश्किल होता गया। 2015 में सरकार ने काली गाड़ियों के इंपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया। सफेद गाड़ी को प्राथमिकता राजधानी की खास उपस्थिति से भी जुड़ी हुई है। तुर्कमेन राजधानी को व्हाइट सिटी की छवि के आसपास विकसित किया गया है।

ऊजमा परी देश

ऊज की रानी

थी। डोरोथी कई

बार परी देश

की सैर कर

चुकी थी।

ऊजमा ने अपने

जादू से अनेक

बार डोरोथी को

संकट से उबारा

था। परी देश में

बहुत बड़ी एक

तसवीर थी।



ऊजमा को

उसमें कहीं का

भी दृश्य

दिखाई दे सकता

था। उसने एक

बार डोरोथी से

कहा था,

‘जब भी कोई

संकट पड़े,

मुझे याद करना।

मैं अपनी तस्वीर

में तुम्हें देख

लूंगी और

तुम्हारी मदद

करने आ

जाऊंगी।’



परीलोक से वापसी

उसका नाम था डोरोथी। यों देखने-सुनने में वह दूसरी लड़कियों की तरह ही थी, लेकिन उसमें एक विशेषता थी, जिसका पता बहुत कम लोगों को था। डोरोथी परी रानी ऊजमा की मित्र थी। ऊजमा परी देश ऊज की रानी थी। डोरोथी कई बार परी देश की सैर कर चुकी थी। ऊजमा ने अपने जादू से अनेक बार डोरोथी को संकट से उबारा था। परी देश में बहुत बड़ी एक तसवीर थी। ऊजमा को उसमें कहीं का भी दृश्य दिखाई दे सकता था। उसने एक बार डोरोथी से कहा था, ‘जब भी कोई संकट पड़े, मुझे याद करना। मैं अपनी तस्वीर में तुम्हें देख लूंगी और तुम्हारी मदद करने आ जाऊंगी।’

उस रात डोरोथी अपने चाचा से मिलने जा रही थी। ट्रेन स्टेशन पर पहुँची। वहाँ जैब नाम का लड़का घोड़ागाड़ी लेकर आया था। घोड़ागाड़ी उसे लेकर चल दी। वह और जैब दोनों आपस में बातें करते जा रहे थे। तभी जोर की गड़गड़ाहट हुई। धरती फट गई। तेज भूकंप में घोड़ागाड़ी एक चौड़ी दरार में गिर पड़ी। डोरोथी तो मारे डर के चीख ही पड़ी। चारों ओर गहरा अँधेरा था और वे लोग जमीन के अंदर गिरते जा रहे थे।

जब उनके कदम जमीन पर लगे तो देखा - चारों ओर रंग-बिरंगा प्रकाश फैला था। एक तरफ रंग-बिरंगे गोले चमक रहे थे। सामने बस्ती दिखाई दे रही थी। वहाँ सब मकान शीशे के बने हुए थे। उनके अंदर की हर चीज साफ नजर आ रही थी। कई मकानों की छतें टूटी हुई थीं।

डोरोथी को यह देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि वहाँ रहने वाले आदमी हवा में चलते थे। तभी उसका घोड़ा मनुष्यों की बोली में बात करने लगा। उसे बोलते सुनकर तो डोरोथी के आश्चर्य का ठिकाना न रहा।

थोड़ी देर बाद कुछ लोग वहाँ आए। एक आदमी के माथे पर तारे का चमकीला निशान बना था। वह वहाँ का राजा था। उसने डोरोथी से कहा,

‘अच्छा, तो तुम्हीं लोगों ने हमारे नगर मंगाबू पर पत्थर बरसाए हैं?’

डोरोथी बोली, ‘शायद भूकंप के कारण ऐसा हुआ है। हम लोग धरती फट जाने के कारण नीचे गिरे हैं।’

‘तुम्हें हमारे देश के तांत्रिक के पास चलना होगा। अगर उसने तुम्हारी बात मान ली तो ठीक, वरना तुम्हें कड़ा दंड दिया जाएगा,’ राजा बोला।

उसी समय ऊपर से एक आदमी और गिरा। वह था ऊज का जादूगर, जो डोरोथी का मित्र था। उसे देखकर डोरोथी की हिम्मत कुछ बढ़ी। जादूगर भी डोरोथी को देखकर खुश था।

इन लोगों को एक बड़े महल में ले जाया गया। वहाँ फर्श पर आग जल रही थी। सबको आया देखकर उस आग में से तांत्रिक निकला। अजीब शक्ल थी उसकी। सारे शरीर में काँटे उगे थे।

उसे देखकर डोरोथी खूब हँसी। उसका मित्र जादूगर भी हँस पड़ा। इसपर मंगाबू का तांत्रिक नाराज हो गया। बोला, ‘मैं तुम मनुष्यों को जानता हूँ। अगर तुम साँस न लो तो मर जाओगे। मैं अपने जादू से तुम सबकी साँस बंद कर दूँगा।’

और सचमुच डोरोथी को घुटन महसूस होने लगी। यह देखकर ऊज के जादूगर ने तलवार निकाली और तांत्रिक को मार डाला। आश्चर्य की बात थी, तांत्रिक के बदन से जरा भी खून नहीं निकला। निकलता कैसे! वह मनुष्य जो नहीं था। मंगाबू के सब लोग फल-फूलों की तरह पेड़ों पर उगते थे। जब कोई मर जाता तो लोग उसे जमीन में गाड़ देते। कुछ दिन बाद वह फिर उग आता।

कुछ मंगाबूवासी तांत्रिक के शव को बाग में ले गए। डोरोथी, जादूगर व जैब भी उनके साथ थे। बाग में हर पौधे पर बच्चे उगे थे- फलों की तरह।

इसके बाद मंगाबूवासियों ने डोरोथी, जैब और जादूगर को घेर लिया। बोले, ‘हम तुम्हें एक ऐसे गहरे गड्ढे में फेंक देंगे, जहाँ से तुम लोग कभी नहीं निकल सकोगे!’ उन्होंने उन सबको एक अँधेरी गुफा में बंद कर दिया। उसी में था वह गहरा गड्ढा।

-जारी

दुनिया...

पूरी दुनिया का कुल क्षेत्रफल करीब 51 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। इसमें से ज्यादातर

हिस्सा पानी का है और करीब 30 प्रतिशत हिस्सा जमीन यानी महाद्वीपों और देशों में बंटा हुआ है। जमीन का यह हिस्सा करीब 14.9 करोड़ वर्ग किलोमीटर का है। इसी जमीन पर दुनिया के करीब 195 देश बसे हुए हैं, जिनका आकार अलग-अलग है। भारत भी इन्हीं बड़े देशों में गिना जाता है और क्षेत्रफल के मामले में इसकी दुनिया में एक खास पहचान है।

